into account'', and as a result of it there have been repeated trouble there?

SHRI BHAGWAT JHA AZAD : Sir, this is not within our knowledge but I hope the State Government and the University itself will look into this matter.

SHRI M. H. SAMUEL : Mr. Parthasarathy expressed a point of view and the Minister in his original reply said that some State Governments did not agree to the proposal, and the State Governments having a large say in the appointment of Vice-Chancellors, we would like to know what is the point of view of the minority States who have disagreed with the proposal—to put the record straight.

SHRI BHAGWAT JHA AZAD : In this case no State Government had disagreed. Out of fourteen we received replies from eight agreeing to the proposal. It is only just before taking this decision we were told about the view of Punjab; it was Punjab who said that it should be sixty years, not sixty-five.

SHRI M. H. SAMUEL : What is the point of view of minority States ?

MR. CHAIRMAN : Next question.

स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान मारे गये व्यक्तियों के फोटोग्राफ

*696. **श्री जगत नारायण** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय गुप्तचर विभाग के पास स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान मृत्यु दण्ड दिये गये, गोली चलाये जाने पर मारे गये अथवा अशक्त हुये व्यक्तियों के फोटोग्राफों का संग्रह है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार अब फोटोग्राफो के इस संग्रह को प्रचार तथा इतिहासकारों द्वारा उपयोग में लाये जाने के लिये उपलब्ध कराने का विचार रखती है ;

(ग) क्या स्वतन्त्रता आन्दोलन का इतिहास लिखने वाले लेखकों ने इन फोटोग्राफों को उपलब्ध किये जाने की प्रार्थना सरकार से की है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार इन फोटोग्राफों को एकत्र करने तथा उनको राष्ट्रीय संग्रह के रूप में एक स्थान पर रखने का विचार रखती है ?

†[PHOTOGRAPHS OF PERSONS KILLED DURING FREEDOM MOVEMENT

*696. SHRI JAGAT NARAIN : Will the Minister of EDUCATION be pleased to state :

(a) whether the Central Intelligence Bureau has a collection of photographs of persons who were hanged, killed or disabled in the firing during the freedom struggle;

(b) if so, whether Government now propose to make this collection of photographs available for publicity and for the the use of historians;

(c) whether the writers of history of the freedom movement have requested Government to make these photographs available to them; and

(d) if so, whether Government propose to collect these photographs and keep them at one place as a national collection?]

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रोफेसर शेर सिंह) : (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) जी नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION (PROF. SHER SINGH) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.]

श्री जगत नारायण : शिक्षा मंत्री जी ने जो जवाब दिया है उसको सुनकर हैरानी होती है। तो मैं बड़े अदब के साथ शिक्षा मंत्री जी से या

† [ ] English translation.

पूछना चाहता हूं कि क्या यह सही है कि 1948-49 में केन्द्रीय सरकार ने प्रदेशों की सरकारों को यह लिखा था कि वे फ्रीडम फाइटरों की हिस्ट्री तैयार करे। जहां तक पंजाब का ताल्लुक है वहां पर बाकायदा एक कमेटी बनाई गई और उन्होंने कुछ फ्रीडम फाइटरों को जीवनी के बारे में कलेक्शन भी किये और उनके फोटो भी इकट्ठे किये। बाकी के लिए जो शहीद हो गय हैं और जो जेलों में पुलिस के अत्याचारों से मारे गये उनके बारे मे उसने सेन्ट्रल गवर्नमेंट को लिखा कि वह उनके फोटो दे। तो क्या यह सही नही है कि केन्द्रीय सरकार ने इस किस्म का आदेश प्रदेशों की सरकारों को दिया था कि वे इस तरह की कमेटी बनाये और फ्रीडम फाइटरों के बारे में इतिहास लिखने को पूरी कोशिश करें। इस बारे मे केन्द्रीय सरकार ने होसला अफजाई नहीं की, यह कहां तक दुरुस्त है ?

प्रोफेसर शेर सिंह : फ्रीडम फाइटरों के हूज हू लिखने के बारे में राज्य सरकारों ने काम किया है। भारत सरकार ने इस काम के लिये उनकी सहायता भी की है और 6 हजार से लेकर 12 हजार तक रुपया दिया गया। कुछ प्रदेशों ने यह इतिहास तैयार भी कर दिया है और वह छप भी चुका है। राज्य सरकारों ने फोटों के बारे में मांग नहीं की। उन्होंने फोटो अपने इतिहासों में कुछ छापो है।

श्री जगत नारायण : पहले इस बारे में कोशिश नहीं की गई लेकिन मै यह कहना चाहता हूं कि गांधी शताब्दी तक केन्द्रीय सरकार को तमाम फ्रीडम फाइटरों की फोटोज इकट्ठी कर लेनी चाहिये और उनकी किताब छपकर तैयार हो जानी चाहिये।

प्रोफेसर शेर सिंह : इस संबंध मे केन्द्रीय सरकार द्वारा गुप्तचर विभाग को लिखा गया कि क्या उनके पास इस तरह की फोटोज उपलब्ध। उनसे उत्तर मिला कि उनके पास इस तरह के फोट ' उपलब्ध नही है। कुछ लोगों ने इस तरह व कुछ पत्रिकाएं और पुस्तके छापी है जिसमें इस तरह के लोगों की फोटोज है। सरकार के पास इस तरह की फोटोज नहीं हैं और उसने सेन्ट्रल इंटेलिजन्स ब्यूरो से पूछा था कि क्या उसके पास इस तरह की फोटोज है। वहां से भी जवाब आया कि हमारे पास इस तरह के फोटोज नही हैं।

DR. B. N. ANTANI : I am surprised to hear *Na Jee*, *Na Jee* , *Na Jee* to all the three questions. Now I know that at the instance of the Central Government the State Governments had appointed committees to get the history of the freedom struggle written. I have been one of the members of one of the committees. We had collected so many photographs. I am here to enquire how does this reconcile with *Na Jee*, and—another thing—whether particularly the pnotographs of the first Indian sociologist, Pandit Shyamji Krishna Varma, has been collected by the Centre from the State for preservation in the way you have decided to do.

प्रोफेसर शेर सिंह : माननीय सदस्य भ्रम में है, मैंने ऐसी कोई चीज नही कही। मैंने कहा कि स्टेटों के अन्दर फ्रीडम फाइटरों की हूज हू तैयार करने की योजना है और भारत सरकार ने इस बात के लिए उन्हे पैसे भी दिये। इस संबंध में कुछ इतिहास लिखा भी गया है। उनमे कुछ फोटों भी है। मैंने केवल इतना ही कहा कि राज्य सरकारों ने हम से फोटो नहीं मांगी और भारत सरकार के पास ऐसी कोई मांग नही आई कि उनको फोटोज दिये जायं।

डा० भाई महावीर : क्या मंत्री जी यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या सरकार यह समझती है कि यह विषय इतना महत्व का नहीं है कि उसके संबंध मे कोई अधिक उपयोगी दृष्टि अपनाई जाय कि जो स्वातंत्र्य संघर्ष के सेनानी हैं, जिन्होंने अपना जीवन बलिदान कर दिया है, उनके घरों तथा परिवार के लोगों से जो जीवित हैं उनके फोटोज प्राप्त किये जाय। ऐसे भी कुछ व्यक्ति हैं जो सौभाग्य से अभी जीवित है और उनके फोटोज 10 या 20 साल बाद प्राप्त करना मुश्किल हो जायेगा, तो क्या सरकार यह आवश्यक नही समझती कि अपने इतिहास के ऐसे गौरवशाली पृष्ठ

को पूर्ण रूप से लिखा जाय ताकि आने वाली पीढ़ियां उससे प्रेरणा प्राप्त कर सकें। यदि उत्तर हां में हैं, तो उसके लिए सरकार ने अभी तक क्या कदम उठाये हैं और इस संबंध में सरकार के सामने क्या कठिनाई है।

प्रोफेसर शेर सिंह : सरकार को इस बात का एहसास है कि ऐसा इतिहास लिखा जाना चाहिये और इसीलिए राज्य सरकारों को यह बात कही गई है और वे इस कार्य को कर रही हैं। जहां तक फोटोज का सवाल है, जितनी भी और जहां से भी, फोटोज उपलब्ध होंगे वे राज्य सरकारों को भेज दी जायेंगी।

DR. ANUP SINGH : I think it is quite evident that the answer given by the Minister of State is utterly hopeless. The point is that some of these photos are available in different places, in the C.B.I., in the private collection, etc. The answer that we want to get is to the question, will the hon. Minister now make a commitment that the Government of India will try to collect these photos and make them available either to the historians, or collect them in some museum for use? This is the question.

प्रोफेसर शेर सिंह : सभापति महोदय, मैंने तो पहले ही कह दिया है कि हमने केन्द्रीय गुप्तचर विभाग को इस बारे में लिखा था और उन्होंने उत्तर दिया कि हमारे पास इस तरह की फोटोज नहीं है। कुछ कलेक्शन फोटोज के हैं। पहले एक सम्पादक मंडल इस ढंग का बनाया गया था और उसने कुछ फोटोज इकट्ठी भी किये थे। इसके बाद डा० ताराचन्द को यह काम सौंपा गया कि वे केन्द्रीय लेवल पर फ्रीडम फाइटरों का इतिहास लिखें। इस संबंध में दो वाल्यूम छप चुके हैं और तीसरा छपने जा रहा है। प्रदेश भी इस तरह का इतिहास छापने की तैयारी कर रहे हैं। इस संबंध में कुछ फोटोज उपलब्ध हैं जो कि प्राइवेट पुस्तक और पत्रिकाओं में छपी है। केन्द्रीय सरकार को इस तरह के फोटोज उपलब्ध हो जायेंगे तो उन्हें प्रदेशों की सरकारों को भेज दिया जायेगा।

SHRI MULKA GOVINDA REDDY : Mr. Chairman Sir, the Home Minister is more competent to answer this question. You ask the Home Minister to answer.

SHRI CHITTA BASU : May I know from the hon. Minister whether he has taken care to examine whether the lives and photographs of the freedom fighters under the INA, who faught under the leadership of Netaji Subash Chandra Bose have been included in any of the Who is Who of the freedom fighters of any State? Secondly, may I know from the hon. Minister whether there has been any difference of opinion between Dr. Tara Chand and Dr. Romesh Chandra Majumdar, the eminent historian of our country, with regard to the preparation of the History of the Freedom Movement of this country?

SHRI Y. B. CHAVAN : Sir, may I intervene in this matter because I do deal with the problem of freedom fighters? With the consent of the Education Minister I would like to inform the House that the police agencies sometimes have the photographs of the old revolutionaries etc. if they were involved in some serious offences. As part of the investigations they have the photographs but normally they do not keep the photographs of freedom fighters as such. If it is a question of getting these photographs I think instead of going to the police machinery we can go directly to the people and other agencies for these photographs. Our efforts should be to secure the photographs.

SHRI BHUPESH GUPTA : This is rather unfortunate.

SHRI CHITTA BASU : My question has not been answered; how is that? My question was whether the Who is of the freedom fighters prepared by the State Governments includes any photograph or life history of any members of the Azad Hind Force and secondly whether there has been any difference of opinion with regard to the writing of the History of the Independence Movement between Dr. Tara Chand and Dr. Romesh Chandra Majumdar, the eminent historian and if so I want to know that.

प्रोफेसर शेर सिंह : आजाद हिन्द फौज के जो सिपाही और अफसर थे उन को हम फ्रीडम फाइटर्स मानते हैं और उन का भी इतिहास में उल्लेख होगा और होना चाहिये।

MR. CHAIRMAN : Mr. Dharia.

SHRI CHITTA BASU : Sir, I seek your protection. My second question has not been answered He must answer that My question was this The hon. Minister said that a Committee has been set up for the preparation of the History of the Independence Movement under Dr. Tara Chand and I want to know whether it is a fact that some differences of opinion arose between Dr. Tara Chand and Dr Romesh Chandra Majumdar, who was also a member of that Committee.

PROF SHER SINGH . I have no information

SHRI M. M. DHARIA : Mr. Chairman, Sir, it seems there is a lot of confusion The question is not regarding all freedom fighters, the question is very clear; it relates to those who were hanged, killed or disabled in the freedom struggle. I want to know why the hon. Education Minister should not come forward and assure this House that by the Gandhi Centenary, that is, 2nd October 1969, the Education Ministry will bring forward a nice booklet containing the photographs of all these martyrs Is it not possible? As the hon Member has rightly said it is possible to approach the relative of the people concerned and have the photographs Instead of coming forward and satisfying this House I do not know why the whole question is being avoided by the hon Minister Let the hon. Education Minister say something on this

प्रोफेसर शेर सिह : माननीय मदस्य ने जो बात कही उस के लिये हम प्रयत्न करेगे और देखेगे कि हम क्या कर मकते है ।

SHRI BHUPESH GUPTA · Sir, I was rather surprised when the Home Minister said that the CIB does not have these photographs Of course at that time the British called them offenders and they had photographs for example, of the shooting of Chapekar Brothers Kudiram Bose, Jatin Mukerjee, Chandrasekhar Azad and so on All these were offenders So I was surprised when the Home Minister said that Intelligence Bureau does not have these photographs Did the Home Minister consult the CIB and find out whether the CIB does possess these photographs? We had seen in various publications these photographs published by the Government of India of those days and the source was CIB. Some of the photographs, for example, those taken after the shooting, would not be available with anybody else. We, know in Bengal how difficult it is to get photographs In view of this may I expect that the Government would bring out a sort of an album with short biographical sketches of all the martyrs of the freedom fight? It should be brought out in all national languages and the State should take the responsibility The Central Intelligence Bureau and other agencies should make all the photographs available for this purpose. I think, Sir, Mr. Chavan should take it in that spirit.

SHRI Y B. CHAVAN : I can assure the hon. House that we will certainly exhaust all our efforts to secure the photographs and as the Education Minister said we will try to bring out a publication. I think with efforts we should be able to get the photographs.

श्री राजनारायण : मेरा बडा सुन्दर सा सवाल यह है कि मान लीजिये कि सरकार के खुफिया विभाग के पास फोटो नही है और इस देश मे कुछ व्यक्तियो के पास फोटो है, जैसे चन्द्रशेखर आजाद का फोटो सरकार के पास न हो तो हम दे सकते है, उसी तरह मे भगत सिह का फोटो न हो तो हम दे सकते है, खुदीराम बोस का फोटो न हो तो हम दे सकते है, दामोदर स्वरूप सेठ का फोटो न हो तो हम दे सकते है और श्रीमन्, एक बडे आश्चर्य की बात है कि 10 मई, 1957 को जब 10 मई, 1857 की शती मनायी गयी तो विक्टोरियारानी की मूर्ति हम ने तोड दी । उन का मुकुट हमारे पास अब भी है । अब हम को केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार के घर मत्रियो के पास से चिट्ठी आती है कि आप के पास विक्टोरिया का मुकुट है वह हम को भेज दीजिये । वह हमारे पास रखा है एक हफ्ते के अदर हम ने यह पता लगा लिया है । मै चाहूगा कि सरकार उस को हमारे यहा से मगा ले क्योकि 1857 के शहीदो की याद मे हम ने फैसला किया था कि अग्रेजी बादशाहो को मूर्तियाँ हम चौराहो पर नही रहने देगे । हम ने विक्टोरिया की मूर्ति जो वाराणसी के बनिया बाग मे थी उस को तोड दिया । उस का मुकुट हमारे पास अभी भी है । उस को हम कहा जमा करे?

श्री वाई० बी० चव्हाण : आप हम से कुछ पूछते हैं क्या ? आप तो अपनी तारीफ कर रहे हैं ।

श्री राजनारायण : इस में तारीफ भी है, इस में राजनीति भी है क्योंकि उस के लिये हम को 19 महीने की सजा हुई थी और जज ने कहा था कि राष्ट्रीयता के प्रेम में सराबोर हो कर उन्होंने ऐसा किया इसलिये इन को सजा नहीं होनी चाहिये । अब मैं जानना चाहता हूं कि वह मुकुट हम किस को दें, कहां दें ?

MR. CHAIRMAN : I would suggest the Members who have got these photographs should send them on to the Home Minister.

बिहार-नेपाल सीमा पर घुसपैठ

* 697. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव**† :
श्री एन० के० शेजवालकर :
श्री मान सिंह वर्मा :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार-नेपाल सीमा, पूर्वी बंगाल तथा पश्चिमी बंगाल सीमा पर साम्यवादी एवं लीगी मुसलमानों की सांठगांठ से घुसपैठ हो रही है; और वहां पर छापामार युद्ध की तैयारी की जा रही है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि ऐसे तत्व देश के अन्दर सेनाओं का गठन भी कर रहे हैं; और

(ग) यदि हां, तो सरकार इनको रोकने के लिये क्या कदम उठा रही है ?

‡[INFILTRATION ON BIHAR-NEPAL BORDER

*697. SHRI J. P. YADAV† :
SHRI N. K. SHEJWALKAR :
SHRI MAN SINGH VARMA :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that with the collusion of Communists and Muslim Leaguers, infiltration is taking place at the Bihar-Nepal Border and East Bengal and West Bengal borders and preparations are being made there for guerilla warfare;

(b) whether it is also a fact that such elements are also organising Senas inside the country; and

(c) if so, what steps are being taken by Government to curb such activities?]

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI Y. B. CHAVAN) : (a) and (b) The West Bengal and Bihar Governments have no such information.

(c) Does not arise.

†[**गृह-कार्य मंत्री (श्री वाई० बी० चव्हाण)**: (क) और (ख) पश्चिम बंगाल तथा बिहार सरकारों के पास एसी कोई सूचना नहीं है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।]

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने 'आर्यावर्त' जो बिहार का एक प्रमुख दैनिक पत्र है उस की गत महीनों की प्रतियों का अवलोकन किया है जिस में उस ने लिखा है कि छोटा नागपुर क्षेत्र में खास कर जहां पर बनवासी लोग रहते हैं वहां ईसाई मिशनरी और वामपक्षी साम्यवादी आ कर उन को उखाड़ रहे हैं और कह रहे हैं कि नागालैंड के लोग तुम्हारे रिश्तेदार हैं उन को सेना में भर्ती होने की तैयारी करो । दूसरे जो लोकल लोग हैं उन को भी बनवासियों आदि के साथ भड़काया जा रहा है जिस के कारण कितने ही दंगे वहां हुए हैं और सरकार को और पुलिस को वहां इंटरवेंशन करना पड़ा है जिस में गोलियां चली हैं और बनवासी मारे भी गये । तो आप को कैसे सूचना मिली कि वहां पर ऐसी कोई बात नहीं होती है ?

दूसरी बात मैं यह पूछना चाहता हूं कि देश के अनेक भागों में सेनाओं का गठन हुआ है और यह विषय केन्द्रीय सरकार का है, लेकिन सरकार ने अपनी इन्फार्मेशन न देते हुए बंगाल और बिहार सरकार की सूचना दी कि ऐसी बात

† The Question was actually asked on the floor of the House by Shri J.P. Yadav.

‡ [ ] English translation.

†[ ] Hindi Translation.